ग़ायूं जन्म वधाई साई राम जी। पंहिजे प्राणिन प्यारे सुखधाम जी।।

कष्यप अदित आहे महा तप कयड़ो, सुखदेवी रोचल जो रूप सोई थियड़ो। लथी सहिचरि अची साकेत धाम जी।।

> साई मीरपुर जन्म वतो आ, राम अयुध्या धाम लथो आ। झांकी गुरु भग़वन्त नामी नाम जी।।

साई मैगिस नाम धरायो, राम नाम सां रघुवीरु आयो। माउनि मिली आ खुशी आठों याम जी।।

> रामचन्द्र खिलोनो थो चाहे, साई नाम लाइ गुरनि लीलाए।

अति मधुर लीला आ सुखधाम जी।।

गुरु विश्ष्ठि थो रघुवर खे पाड़िहे, साई मास्तर खे चोट ते चाड़िहे। अज़बु शोभा पड़हण सुबह शाम जी।।

> राघव योग विष्ठ वीचारे, साईं जप साहिब दिलि में उचारे। मौज मिथिला कांगड़े विश्राम जी।।

सीयाराम साईं चिर जीओ, रस आनन्द मगन थिर थीओ। इहा आशीशड़ी गेहन गुलाम जी।।